एक्सप्रेस वे के लिए 95 फीसदी जमीन का अधिग्रहण हो चुका

कुंभ के साथ चालू होगा गंगा एक्सप्रेसवे : नंदी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने कहा है कि गंगा एक्सप्रेसवे तय समय से पहले बन जाएगा और कोशिश होगी जब कुंभ मेला शुरू हो तो लोग दिल्ली से इस एक्सप्रेसवे के जरिए ही प्रयागराज आएं। उन्होंने कहा कि योगी सरकार अब कुछ और नए एक्सप्रेसवे की योजना बनाने जा रही है।

मंत्री नंदी ने शुक्रवार को राज्यमंत्री जसवंत सैनी, अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास अरविंद कुमार, यूपीडा के सीईओ अवनीश अवस्थी, अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल के साथ प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। सौ दिन की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए मंत्री ने कहा कि हमने 80 हजार 224 करोड़ के वास्तविक निवेश को धरातल पर उतारा है। इसमें निवेशकों ने निर्माण या उत्पादन शुरू किया है। निवेश के लिए यूपी सबसे बेहतरीन गंतव्य है। प्रदेश में छह एक्सप्रेसवे पहले से संचालित है और सात एक्सप्रेसवे निर्माणाधीन हैं। पूरे भारत के एक्सप्रेसवे नेटवर्क का करीब 38 फीसदी उत्तर प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेस वे को केंद्र सरकार से पर्यावरण और वन सहित सभी क्लियरेंस मिल चुके हैं और 95 फीसदी भूमि का अधिग्रहण भी किया जा चुका है। गंगा एक्सप्रेस वे के 594 किमी में 50 फीसदी भूमि पर कब्जा ले लिया गया, जुलाई के अंत तक पूरा कब्जा ले लेंगे। दिसंबर तक पूर्वांचल एक्सप्रेस वे बलिया से लेकर बिहार के बक्सर तक जुड़ेगा।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर खूब होगी हरियाली

लखनऊ, विशेष संवाददाता। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के दोनों ओर सात लाख पौधे लगाए जा रहे हैं। इससे एक्सप्रेसवे पूरी तरह ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बन जाएगा।

एक्सप्रेसवे के चार स्थानों पर फ्यूल पंप व जनसुविधा परिसर बनाए गए हैं। इसके अलावा एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। हर पांच मीटर पर रेन वाटर हारवेस्टिंग पिट का निर्माण कराया गया है। इसमें वर्षा का जल एकत्र होगा। यह एक्सप्रेसवे चित्रकूट (से शुरू और बांदा, हमीरपुर, जालौन, औरया व इटावा में खत्म होगा।

ये होंगे लाभ

- बुंदेलखंड के सीधा दिल्ली से जुड़ने का लाभ लोगों को मिलेगा और पिछड़ेपन से बुंदेलखंड भी मुक्त हो सकेगा।
- बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे इस इलाके की कनेक्टिविटी में सुधार के साथ आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देगा।
- बांदा और जालौन में एक्सप्रेस वे के किनारे औद्योगिक कारिडोर भी बनाया जा रहा है। इसके लिए सलाहकार एजेंसी का चयन हो चुका है।

13 एक्सप्रेसवे वाला यूपी बन रहा पहला राज्य

यूपी देश में सबसे बड़े एक्सप्रेस-वे नेटवर्क वाला राज्य बनने जा रहा है। यहां 13 एक्सप्रेसवे बनने को हैं। 32 सौ किमी के कुल 13 एक्सप्रेसवे में से सात पर काम चल रहा है जबकि छह पर ट्रैफिक चल रहा है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे यूपी का बहुत महत्वपूर्ण एक्सप्रेसवे है जबकि 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेस वे पूरब और पश्चिम की दूरी को कम करेगा। इसके अलावा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे, गाजीपुर-बलिया-मांझीघाट एक्सप्रेस वे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे का निर्माण किया जा रहा है। आपातकाल में वायु सेना के विमानों की लैंडिंग और टेक ऑफ के लिए हवाई पट्टियां लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे वे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे हैं।